A play titled “Humne to Suna hai” was enacted on 10th October 2015 at the Meeting Hall of Unnao District Library for awareness about everyday rumors. This program was organized in collaboration with Uday Sanskratik Sansthan by the District Library, Unnao. It was a satirical play written by Brij Bhushan Singh and directed by Jabbar Akaram. Mr. Premchandra Singh, Director, Shiv Shankar Singh Shivram Singh Maharvidyalaya was invited as the Chief Guest of the function. The objective of the play was to aware the viewers that rumors should not be believed ever. A total of 125 people attended this program and appreciated the efforts taken for awareness about this important issue.

आज

उन्नाव

उदय सांस्कृतिक संस्थान द्वारा हास्य एवं सामाजिक नाटक का किया गया मंचन

हमने तो सुना है का अभिनय देख लोग हुए मंत्रमुग्ध

(आज समाचार सेवा)

उन्नाव 11 अक्टूबर। उदय सांस्कृतिक संस्थान द्वारा आयोजित हास्य एवं सामाजिक नाटक हमने तो सुना है का सफल मंचन आज पं0 विश्वम्भर दयालु त्रिपाठी राजकीय जिला पुस्तकालय सभागार में सांय छः बजे से किया गया। मंचन की शुरूआत मुख्य अतिथि शिवशंकर शिव राम सिंह महाविद्यालय बिरसिंहपुर के संस्थापक व प्रबन्धक प्रेमचन्द्र सिंह द्वारा माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलन के बाद किया गया। नाटक में गुप्ता जी (चित्रांशु श्रीवास्तव)बड़ी मिल के डायरेक्टर हैं। पत्नी शीला(रचना अवस्थी) व नौकर घसकर (विकेश बाजपेई) के साथ कालोनी में रहते हैं। गुप्ता के यहाँ एक बदमाश माइकल (जब्बार अकरम)आता है। और कहता है कि गुप्ता ने उसकी बहन को छेड़ा है। उससे हर्जाना वसूलने आया है। पर वह पुलिस का नाम सुनकर भाग जाता है। यह अफवाह पूरी कालोनी में फैल जाती है कि गुप्ता ने लड़की को छेड़ा है और चप्पलों से पिटाई हुई है। कई पड़ोसियों में शर्मा(विकास राय), दामोदर (शिवम सिंह), कैलाश (शिवम कुमार) व शराबी (खुर्शीद खाँ) भी जानकारी करने आते हैं। तो शीला उनसे पूँछती है कि आपने देखा, तो वे यही बताते हैं कि हमने तो सुना है सब सुनकर शीला तंग आ जाती है। तो गुप्ता से मायके जाने की बात करती है। तभी प्रोफेसर भाटिया(आसिम जाफरी)आते हैं और दोनो को समझाते हैं। और आगाह करते हैं कि बकने वालों को बकने दो तुम अपना काम करों गुप्ता मिठाई लेने जाते हैं। नौकर शीला को समझाता है कि आप मायके न जाएं। और अफवाह फैलाने वालों का मुहतोड़ जवाब दें। तमाम पड़ोसी आते हैं तो वे उनका मुहतोड़ जवाब देतें हैं। शीला मायके नहीं जाती हैं गुप्ता जी मिठाई लाते हैं। दोनो खुश होकर मिठाई खाते है। तभी श्याम(अवधेष साहू) आफिस के कर्मचारी खूबचन्द्र(प्रभात गुप्ता) और माइकल को पकड़ कर लाता है तब राज खुलता है कि ये अफवाह खूबचन्द्र ने फैलाई है। गुप्ता जी बदला लेने के लिए गुप्ता जी उसे खूब शर्मिंदा करते है। और पड़ोसियों से कहते हैं कि जब तक किसी चीज को आखों से न देख लें उस पर यकीन न करें क्योकि अफवाहों से ही घर परिवार टूट जाते है। यहाँ तक कि समाज में दंगे फसाद तक होते हैं। कृपया आप लोग अफवाहों पर ध्यान न दें। पड़ोसी शर्मिंदा होते हैं तभी सिपाही (शैलेन्द्र तिवारी) खूबचन्द्र और माइकल को पकड़ ले जाता है। नाटक समाप्त हो जाता है। नाटक के अन्त में मुख्य अतिथि प्रेमचन्द्र सिंह ने कहा कि रंगमंच पर अभिनय करना बहुत कठिन काम है। फिल्मों में सरल है। क्योंकि रंगमंच पर रिटेक नहीं होता। फिल्मों में होता है। उन्होंने सभी कलाकारों की सराहना की तथा रंगमंच के लिए हरसम्भव मदद करने का आश्वासन दिया। नाटक के लेखक बृजभूषण व निर्देशक जब्बार अकरम की भी सराहना की। नाटक में संगीत महेन्द्र सिंह मानू ने दिया। रूप सज्जा साहिल कानपुरी लाइट व मंच सज्जा पार्थ पाण्डे, हर्ष पाण्डे, शकील खाँन ने किया। कार्यक्रम में पधारें जयकृष्ण पाण्डेय, रघुराज मगन, रामानुज जी शाखा प्रबन्धक यूनियन बैंक, रामेन्द्र द्विवेदी, मयंक आलोक, राघवेन्द्र पाल एडवोकेट, नफीस सिद्दीकी, मोहम्मद अहमद, गिरजेश पाण्डेय, राजेश कुमार एडवोकेट आदि गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

नाटक का मंचन करते कलाकार

...न विभाग की जमीन ... का लगाया आरोप

बालकराम, रामरतन, राम नरेश तथा सत्यपाल आदि ग्रामीणों द्वारा एसडीएम तथा कोतवाल को दिये गये शिकायती पत्र में कहा गया है कि ग्राम पंचायत के लक्ष्मन, चेतराम, महेन्द्र, चोखे, लेखराज व विष्णु आदि सहित करीब एक दर्जन दबंग ग्राम समाज तथा वन विभाग की लगभग 50 बीघा जमीन पर अवैध रूप से काबिज है और उसमे फसल की बुआई कर रहे है। शिकायती पत्र में अवैध कब्जेदारों के चंगुल से जमीन को मुक्त कराये जाने की मांग उठायी गयी है।

...ड़क हादसों में एक ...त दूसरा गम्भीर

...लग अलग सड़क हादसों में जहां एक ... गम्भीर रूप से घायल हो गया है। थाना ...ुरामपुर निवासी मैवालाल उर्फ सन्तोष ...बाइक से जा रहा था। माढ़पुर रोड पर ...इक अचानक असन्तुलित हो गयी और ...प गम्भीर रूप से घायल हो गया। उसे ... उसे जिला अस्पताल रिफर कर दिया ... रास्ते में उसकी मौत हो गयी। दूसरी ...बौली निवासी ओम नारायन पुत्र सन्तोष ...रास्ते में उसे तेज रफ्तार ट्रैक्टर नें टक्कर ... घायल हो गया है। उसे यहां सीएचसी ...गया।

दैनिक जागरण कानपुर, 12 अक्टूबर 2015

उन्नावजागरण

...जर

...से मनाया गया बाइबिल

...नपुर के किदवई नगर स्थित सेंट ...में बाइबिल महोत्सव का आयोजन ...के साथ किया गया। कैथोलिक ... धूमधाम से मनाए गए इस ...बच्चों से लेकर बूढ़ों तक का उत्साह ... रहा था। बाइबिल महोत्सव की ...माह पूर्व से की गई थी। ...आधारित नाटक, गीत संगीत, ...विवाद, क्विज तथा कला ...ओं का आयोजन किया गया। ...ओं का लोगों जमकर लुत्फ उठाया। ...विभिन्न चर्चों को सजाया भी जाता ...ता में सेंट थामस चर्च, किदवई ...र को प्रथम स्थान प्रदान किया ...रोह के मुख्य अतिथि लियो सिक्वेरा ...फादर वलेरियन डिसूजा, फादर ...थायस, फादर राजेश, फादर थामस, ...न तथा सिस्टर लता की उपस्थित ...रही। कानपुर, उन्नाव तथा फतेहपुर ...दर और सिस्टर के अलावा शरीक ...न्यवाद फादर विलियम मथायस

'अफवाह से टूट जाते घर और परिवार'

- 'हमने तो सुना है' नाटक का हुआ सफल मंचन

उन्नाव, जागरण संवाददाता : जब तक किसी चीज को आंखों से न देख लें तब तक उस पर कतई यकीन न करें क्योंकि अफवाह से घर और परिवार टूट कर बिखर जाते हैं। यह संदेश शनिवार को पं. विश्वंभर दयालु त्रिपाठी जिला पुस्तकालय सभागार में आयोजित एक हास्य एवं सामाजिक नाटक के मंचन के दौरान आमजनों को दिया गया। मंचन की शुरुआत मुख्य अतिथि शिवराम सिंह महाविद्यालय के प्रबंधक प्रेम शंकर सिंह द्वारा मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्जवलन से की गई।

उन्होंने कहा कि रंगमंच पर एक्टिंग करना बहुत कठिन काम है। जब कि फिल्मों में काम करना रंगमंच की तुलना में सरल है। क्योंकि रंगमंच पर रिटेक नहीं होता है और फिल्मों में होता है। उन्होंने नाटक के सफल मंचन पर सभी कलाकारों की सराहना करते हुए हर तरह की मदद करने का भरोसा दिया। नाटक के लेखक बृजभूषण व निर्देशक जब्बार अकरम की लोगों ने मुक्त कंठ से प्रशंसा की। रूप सज्जा साहिल कानपुरी लाइट व मंच सज्जा पार्थ पांडेय हर्ष पांडेय व शकील खान ने की। नाटक का मंचन करने वाले कलाकारों में चित्रांशु श्रीवास्तव, रचना अवस्थी, विकेश बाजपेई, जब्बार अकरम, विकास राय, शिवम सिंह, शिवम कुमार, खुर्शीद खां, आसिम जाफरी, अवधेश साहू, प्रभात गुप्ता व शैलेंद्र तिवारी आदि रहे। कार्यक्रम में जयकृष्ण पांडेय, रघुराज मगन, रामानुज, रामेंद्र द्विवेदी, मयंक, आलोक, राघवेंद्र पाल, नफीस सिद्दीकी, मोहम्मद अहमद, गिरिजेश पांडेय, राजेश कुमार आदि मौजूद रहे।

नाटक का मंचन करते रंग कर्मी। जागरण